

E-Learning Study Material  
By - Prof (Dr.) YADWENDRA SINGH  
MAHARAJA COLLEGE, ARA  
V.K.S. UNIVERSITY, ARA BIHAR  
B.A. Economics Honours First Year

Q. Describe The RISK Theory of PROFIT.

(Hawley's Risk Theory of Profit was propounded by F.B. Hawley, who believed that those who have the risk-taking ability in the dynamic production have a sound claim on the reward, called as Profit. Simply, Profit is the price that society pays to assume the business risk.)

- F. B. Hawley.

---

लाभ का जोखिम सिद्धान्त (The Risk Theory of Profit) का प्रतिपादन अमरीकी अर्थशास्त्री जे० हॉले (Hawley) ने किया है। बाद में मार्शल ने इस सिद्धान्त को अपना लक्ष्य दिया था।

सिद्धान्त की व्याख्या :- इस सिद्धान्त के अनुसार लाभ जोखिम उठाने का पुरस्कार है। एक लाहली मविद्य की मांग को पूरा में रखते हुए बस्तु का उत्पादन करता है और यदि उगाते वाली परिस्थितियाँ लाभान्द रहे और लाहली का अनुमान सही बने तो उसे लाभ होगा अन्यथा हानि। इस प्रकार किसी भी बस्तु के उत्पादन में जोखिम का अंश अवश्य होता है। जब तक किसी उत्पादक या लाहली को जोखिम भेलने का पुरस्कार नहीं दिया जाएगा जब तक वह उत्पादन करने को तैयार नहीं रहेगा विभिन्न उद्योगों में जोखिम भिन्न भिन्न होता है। जोखिम की भिन्नता के कारण ही लाभ में अन्तर आता है। विनोपबलापों (business) जोखिम की मात्रा अधिक है उनमें लाभ अधिक होता है जबकि कम जोखिम वाले उद्योगों में लाभ कम।

यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि लाभ पूँजी के साधारण लाभ से अधिक होता है क्योंकि यदि लाहली को केवल उतना ही लाभ मिले जितना कि पूँजी के सुरक्षित विनियोग

में मिलता है, तब कोई मर ० पालि पूंजी को जोखिम में नहीं डालना चाहेगा।

आलोचना :- (criticism)

लाभ के जोखिम सिद्धांत की प्रमुख आलोचनाएं निम्नलिखित हैं:-

- (i) लाभ जोखिम कम करने का पुरस्कार है-  
जो ० कार्वर (Prof Carver) का मत है कि लाभ (PROFIT) इसलिए नहीं मिलता कि जोखिम उठायी जाती है बल्कि लाभ इसलिए मिलता है कि जोखिम लाहली जोखिम को कम कर देते हैं।
- (ii) लाभ मात्र जोखिम उठाने का पुरस्कार नहीं-  
आलोचकों का कहना है कि यद्यपि लाभ जोखिम उठाने का पुरस्कार है तथापि वह मात्र जोखिम उठाने का पुरस्कार नहीं होता, बल्कि लाभ का कारण एकधिकारी शक्ति, लाहली की कुशलता, लाहली की योग्यता तथा नवप्रवर्तन (innovation) भी है।
- (iii) हर प्रकार का जोखिम लाभ उत्पन्न नहीं करता -  
जो ० नाइट (Knight) ने कहा है कि "लाभ प्रकार के जोखिम अनिश्चितताएँ उत्पन्न नहीं करते हैं" कुद जोखिम ऐसे होते हैं जिनका पूर्वानुमान लगाया जा सकता है

इसलिए जो 0 नाइट का कहना है कि रिस्क जोखिमों का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता है वे जोखिम अनिश्चित होते हैं फलतः लाभ इन्हीं अनिश्चित जोखिमों से मिलने का पुटल्का है।

इस प्रकार - It can be Concluded

that it is the unisured risk from which the Profit arises and until the product is sold an entrepreneur's amount of reward cannot be determined. Hence

in Hawley's opinion, the profit is a residue and therefore his theory is also called a Residual

theory of PROFIT.

---